26 जनवरी 2026
सोमवार
डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

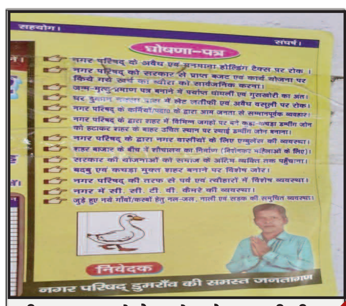
तीन साल, ढेरों वादे और जमीनी सच्चाई शून्य...
2

पद्म पुरस्कार, गैलेंट्री अवार्ड और परम विशिष्ट सेवा पदक का एलान

- 131 पद्म पुरस्कारों की सूची में 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण शामिल
- राष्ट्रपति ने 70 सशस्त्र बलों के जवानों को वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों का एलान कर दिया गया है। 131 पद्म पुरस्कारों की सूची में 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री की घोषणा की गई है। पश्चिमी नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, सेना वायु रक्षा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डीश्कुन्हा और सैन्य मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव वाइस एडमिरल अतुल आनंद को परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 77वें गणतंत्र दिवस पर परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को उत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

तीन को कीर्ति चक्र पुरस्कार

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 70 सशस्त्र बलों के जवानों को वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी, जिनमें से छह को यह सम्मान मरणोपरांत मिलेगा। इनमें एक अशोक चक्र, तीन कीर्ति चक्र, 13 शौर्य चक्र (जिसमें एक मरणोपरांत शामिल है), एक बार टू सेना मेडल (वीरता) और 44 सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। कीर्ति चक्र पुरस्कार विजेताओं में मेजर अर्शदीप सिंह, नायब सूबेदार डोलेश्वर सुब्बा और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर शामिल हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रचा था, उन्हें भारत के सर्वोच्च शांति काल के वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। साल 2026 के लिए राष्ट्रपति ने 131 पद्म पुरस्कार देने की मंजूरी दी है। इस लिस्ट में पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों में 19 महिलाएं हैं, जबकि इस सूची में विदेशी नागरिकों, अनिवासी भारतीयों , भारतीय मूल के व्यक्तियों और भारत के प्रवासी नागरिकों की श्रेणी में छह लोग भी शामिल हैं, साथ ही 16 लोगों को मरणोपरांत सम्मानित किया गया है।

13 हस्तियों को पद्म भूषण सम्मानित

पद्म भूषण में अलका याग्निक कला (महाराष्ट्र, भगत सिंह कोश्यारी- लोक कार्य (उत्तराखंड). डॉ. कालीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी- चिकित्सा (तमिलनाडु), मम्मूटी- कला (केरल), डॉ. नोरी दत्तात्रेयुडु- चिकित्सा (संयुक्त राज्य अमेरिका), पीयूष पांडे (मरणोपरांत)- कला (महाराष्ट्र), एस. के. एम. माइलानंदन- सामाजिक कार्य (तमिलनाडु), शतावधानी आर. गणेश- कला (कर्नाटक), शिबू सोरेन (मरणोपरांत)- लोक कार्य (झारखंड), उदय कोटक-व्यापार एवं उद्योग (महाराष्ट्र), वी. के. मल्होत्रा (मरणोपरांत)- लोक कार्य (दिल्ली), वेल्लापल्ली नटेशन- लोक कार्य (केरल),विजय अमृतराज- खेल (संयुक्त राज्य अमेरिका) को सम्मानित किया गया है।

भाजपा के इशारे पर विपक्ष को कुचल रहा चुनाव आयोग : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर भारत निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन को 'दुखद तमाशा' करार देते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने, विपक्ष को दबाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही आयोग विपक्ष को कुचलने के साथ-साथ भारतीय लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहा है। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा, उन्होंने पोस्ट में लिखा कि चुनाव आयोग ' भाजपा, अपने आका के इशारे पर, विपक्ष को कुचलने और भारतीय लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने में लगे हैं, और फिर भी उनमें मतदाता दिवस मनाने की हिम्मत है।

फर्स्ट वोटर्स से लकर स्टार्टअप इंडिया तक : प्रधानमंत्री मोदी

- 18 वर्ष की उम्र पूरी कर पहली बार मतदाता बनने पर उसे उत्सव की तरह मनाया जाए
- मतदान के माध्यम से नागरिक देश की दिशा तय करने में अपनी आवाज शामिल करता है

एजेंसी। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम सिर्फ रेडियो संबोधन भर नहीं रहा, बल्कि लोकतंत्र, युवाओं की भूमिका और भारत की आर्थिक यात्रा को एक साथ जोड़ने का स्पष्ट प्रयास दिखा। 130वें एपिसोड का संयोग राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ना इसे और भी प्रतीकात्मक बना दिया। पीएम ने मतदाता बनने को सिर्फ एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत के भविष्य में सक्रिय भागीदारी का उत्सव बताया। इसके लिए

उन्होंने अलग से एक पत्र भी लिखकर लोगों से आग्रह किया कि किसी युवा के 18 वर्ष की उम्र पूरी कर पहली बार मतदाता बनने पर उसे उत्सव की तरह मनाया जाए। मोहल्ला, गांव-शहर उसका अभिनंदन करे। मिठाइयां बांटी जाएं। पीएम का यह सुझाव अपने आप में लोकतंत्र को सामाजिक संस्कृति से जोड़ने का संकेत है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि वोटर होना संवैधानिक विशेषाधिकार के साथ-साथ कर्तव्य भी है, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। बीते वर्षों में मतदान प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन शहरी क्षेत्रों और युवाओं में अब भी उदासीनता एक चुनौती बनी हुई है। ऐसे में मतदाता दिवस को गौरवशाली अवसर के रूप में प्रस्तुत करना और नए मतदाताओं को सम्मानित करने की बात कहना, लोकतंत्र को औपचारिकता से निकालकर सामूहिक चेतना का विषय बनाने की पहल मानी जा सकती है। मोदी का जोर इस बात पर था कि मतदान केवल वोट डालने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस अधिकार का प्रयोग है जिसके माध्यम से नागरिक देश की दिशा तय करने में अपनी आवाज शामिल करता है। 'मन की बात' का दूसरा अहम पक्ष देश की आर्थिक और औद्योगिक दिशा से जुड़ा था। प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप संस्कृति की सराहना करते हुए बताया कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस यात्रा में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारतीय स्टार्टअप ऐसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जिनकी कल्पना एक दशक पहले मुश्किल थी।

बक्सर में बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन का प्रथम वार्षिकोत्सव, डिजिटल युग में फोटोग्राफी को बताया सशक्त रोजगार माध्यम

- विधायक आनंद मिश्रा ने सुनी फोटोग्राफरों की समस्याएं, स्थायी भवन व रात्रिकालीन कार्य में सहयोग का दिया आश्वासन

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की बक्सर इकाई का प्रथम वार्षिकोत्सव समारोह रविवार को हर्षोल्लास और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला फोटोग्राफर संघ के अध्यक्ष नीरज कुमार श्रीवास्तव उर्फ संटू ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बक्सर सदर विधायक आनंद मिश्रा उपस्थित रहे। समारोह में राज्य भर से आए फोटोग्राफर पदाधिकारियों और सदस्यों की गरिमामयी मौजूदगी ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम में बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन के महासचिव गणेश कुमार, पटना जोन से रोहित खत्री, मीडिया प्रभारी राकेश कुमार तिवारी, अमित कुमार (हाजीपुर), पटना अध्यक्ष विश्वजीत विश्वास, सीतामढ़ी अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता, बेगूसराय सचिव चंदन, भोजपुर आरा से अध्यक्ष जयंत कुमार ओझा, सचिव चंदन कुमार, कोषाध्यक्ष प्रदीप रंजन एवं मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्रा सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक आनंद मिश्रा ने कहा कि डिजिटल युग में फोटोग्राफी केवल कला नहीं, बल्कि रोजगार का एक सशक्त और संभावनाओं से भरा क्षेत्र बन चुकी है। आज बड़ी संख्या में युवा फोटोग्राफी को अपनाकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे फोटोग्राफर साथियों की समस्याओं को सीधे सुनने और समाधान की दिशा में पहल करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में शामिल हुए हैं।

फोटोग्राफरों ने विधायक के समक्ष शादी-विवाह एवं अन्य आयोजनों के दौरान रात्रिकालीन कार्य में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों को रखा। उन्होंने बताया कि देर रात आवागमन के दौरान कई स्थानों पर रोके जाने से मानसिक और शारीरिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस पर विधायक ने आश्वासन दिया कि संबंधित प्रशासनिक स्तर पर बात कर इन समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इसके साथ ही संगठन के लिए एक स्थायी भवन एवं कार्यालय की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। विधायक आनंद मिश्रा ने भरोसा दिलाया कि वे अपने स्तर से संगठन को भवन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करेंगे। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर कैमरा की विश्व प्रसिद्ध कंपनी कैनन द्वारा विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें आधुनिक कैमरा तकनीक, डिजिटल ट्रेंड और फोटोग्राफी के नए आयामों की जानकारी दी गई। इससे फोटोग्राफरों को तकनीकी रूप से सशक्त बनने का अवसर मिला।

जिला अध्यक्ष नीरज कुमार श्रीवास्तव उर्फ संटू जी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य जिले भर के फोटोग्राफरों को एकजुट कर उनकी समस्याओं का समाधान करना और उन्हें बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फोटोग्राफरों की उपस्थिति रही। आयोजन की सफलता में उपाध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा, सचिव चंदन शर्मा, कोषाध्यक्ष अमृत सरोज दुर्गेश, उपसचिव राकेश कुमार सिंहा, निसार अहमद एवं मीडिया प्रभारी आलोक कुमार सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

तीन साल, ढेरों वादे और जमीनी सच्चाई शून्य...

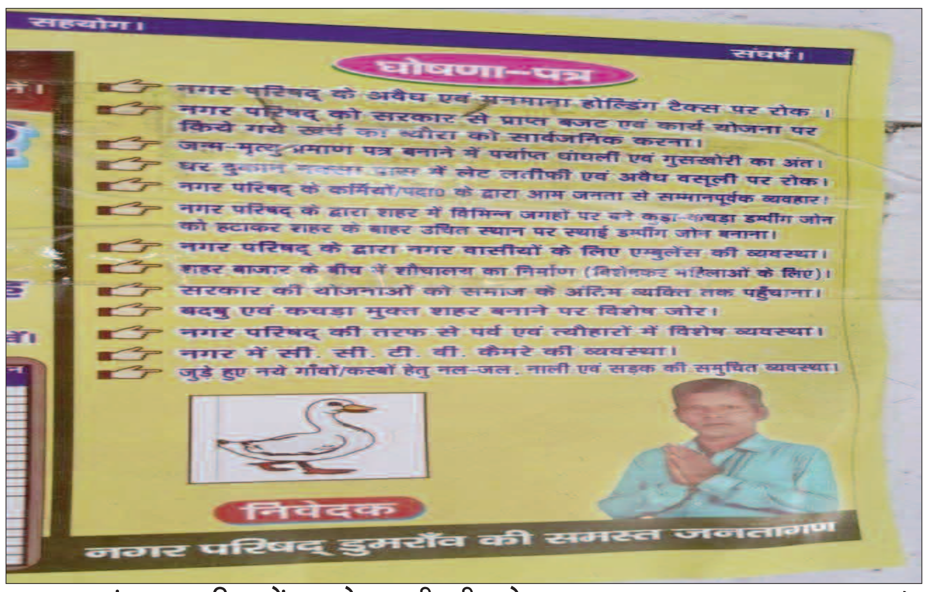

- डुमरांव नगर परिषद में युवा नेतृत्व की परीक्षा फेल, जनता पूछ रही है जवाबदेही का हिसाब

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद में सत्ता और भरोसे के बीच की दूरी अब खतरनाक रूप से बढ़ती जा रही है। जिन वादों और बदलाव की उम्मीदों के साथ नगर परिषद का गठन हुआ था, वे आज कागजों और भाषणों तक सिमट कर रह गए हैं। करीब तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी नगर परिषद अपने ही मैनिफेस्टो के 20 प्रतिशत कार्य पूरे नहीं कर सकी है। इस स्थिति ने कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नगर परिषद चुनाव के समय "युवा नेतृत्व" और "पारदर्शी प्रशासन" का नारा जनता के बीच खासा लोकप्रिय हुआ था। सुनीता गुप्ता के चेयरमैन और विकास ठाकुर के डिप्टी चेयरमैन चुने जाने के बाद लोगों को लगा था कि नगर की तस्वीर बदलेगी। लेकिन चेयरमैन के अयोग्य घोषित होने के बाद जब कार्यकारी सभापति के रूप में सारी जिम्मेदारी विकास ठाकुर के कंधों पर आई, तब भी हालात में कोई ठोस बदलाव नजर नहीं आया।

मैनिफेस्टो बनाम हकीकत, फर्क साफ दिखता है

मैनिफेस्टो में अवैध होल्डिंग टैक्स वसूली पर रोक, नगर परिषद के खर्चों को सार्वजनिक करने, जन्मट्ट-मृत्यु प्रमाण पत्र में हो रही धांधली खत्म करने, कर्मचारियों के व्यवहार में सुधार और बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने जैसे अहम वादे शामिल थे। इसके साथ ही शहर के बाहर स्थायी कचरा डंपिंग जोन, साफ-सुथरा डुमरांव, नल-जल योजना की मरम्मत और बेहतर सड़क व्यवस्था की बात कही गई थी। लेकिन जमीनी सच्चाई इससे बिल्कुल उलट है। शहर में कूड़ा-कचरा आज भी बदबू और बीमारी की वजह बना हुआ है। स्थायी डंपिंग जोन अब भी फाइलों में कैद है। नल-जल योजना कई इलाकों में दम तोड़ चुकी है और सड़कों की हालत लोगों की परेशानी बढ़ा रही है।

जनता की आवाज, वादे भूल गया नेतृत्व

पूर्व वार्ड पार्षद धीरज कुमार और सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शरण का कहना है कि नगर परिषद में जवाबदेही नाम की चीज खत्म होती जा रही है। उनका आरोप है कि होल्डिंग टैक्स के नाम पर मनमानी आज भी जारी है और नगर परिषद कार्यालय में आम नागरिकों को सम्मान के बजाय टालमटोल का सामना करना पड़ता है।

बड़ा सवाल, अनुपयोगी खरीददारी पर चुप्पी क्यों

सबसे गंभीर सवाल नगर परिषद में हुई कथित अनुपयोगी खरीददारी को लेकर उठ रहा है। आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि ऐसी कई मशीनें और सामग्रियां खरीदी गईं, जिनका कोई व्यावहारिक उपयोग नहीं है। हैरानी की बात यह है कि इस पर किसी भी जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं किया। इससे पारदर्शिता और मिलीभगत की आशंका और गहरी हो गई है।

अब सवाल सीधे जनता का है

तीन साल बाद भी जब नगर परिषद अपने वादों का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर सकी, तो जनता का भरोसा टूटना स्वाभाविक है। अब डुमरांव के लोग सिर्फ आश्वासन नहीं, हिसाब चाहते हैं। अगर यही हाल रहा, तो आने वाला समय नगर परिषद के मौजूदा नेतृत्व के लिए सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

सिमरी में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर लोकतंत्र का संकल्प, बूथ 175 पर दिलाई गई मतदाता शपथ

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय परिसर स्थित बूथ संख्या 175 पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन पूरे उत्साह और लोकतांत्रिक भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक शत्रुंजय दूबे ने की। इस अवसर पर निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े कर्मियों, शिक्षकों, प्रखंड स्तरीय कर्मचारियों एवं उपस्थित मतदाताओं ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों को मतदाता शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने भारत के नागरिक के रूप में लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखने, देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लिया। शपथ के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मतदाता निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रधानाध्यापक शत्रुंजय दूबे ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद दिलाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की नींव होते हैं और हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मियों और मतदाताओं ने एक स्वर में लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने युवाओं और नए मतदाताओं से विशेष रूप से अपील की कि वे मतदान को केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य समझें और प्रत्येक चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के इस आयोजन ने सिमरी प्रखंड में मतदाता जागरूकता का सकारात्मक संदेश दिया।

एक नजर

चौसा ओवरब्रिज बना हादसों का हॉटस्पॉट: गड्ढों में फंसी मैदा लदी टेलर पलटी, हजारों का नुकसान

चौसा। चौसा में निमार्णाधीन ओवरब्रिज के पास बदहाल सड़क अब जानलेवा साबित होती जा रही है। रविवार को झारखंड से उत्तर प्रदेश जा रही मैदा की बोरियों से लदी एक भारी टेलर सड़क के गहरे गड्ढे में फंसकर पलट गई। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन टेलर पर लदी दर्जनों मैदा की बोरियां फट गईं, जिससे हजारों रुपये का माल बर्बाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ओवरब्रिज के पास सड़क की हालत लंबे समय से बेहद जर्जर है। जगह-जगह बड़े और गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जो भारी वाहनों के लिए मौत का फंदा साबित हो रहे हैं। रविवार की सुबह जैसे ही टेलर ओवरब्रिज के समीप पहुंची, अचानक उसका एक पहिया गहरे गड्ढे में धंस गया। संतुलन बिगड़ते ही चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और टेलर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं पलटी टेलर के कारण सड़क पर आवागमन बाधित हो गया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सबसे पहले मार्ग को खाली कराकर यातायात को सुचारू कराया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस मार्ग पर हादसे अब आम बात हो गई है, लेकिन इसके बावजूद न तो प्रशासन और न ही निर्माण एजेंसी कोई ठोस कदम उठा रही है। गौरतलब है कि ठीक एक सप्ताह पहले इसी स्थान पर मार्बल के बड़े पत्थरों से लदी एक टेलर पलट गई थी। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने इस इलाके को हादसों का हॉटस्पॉट बना दिया है। राहगीरों और वाहन चालकों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही ओवरब्रिज के आसपास सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई, तो बड़ा हादसा कभी भी हो सकता है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सड़क को दुरुस्त कराने और निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि आगे किसी की जान जोखिम में न पड़े।

गणतंत्र दिवस पर किला मैदान में होगा भव्य राजकीय समारोह, प्रभारी मंत्री रमा निषाद करेंगी झंडोतोलन

बक्सर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में जिला स्तरीय राजकीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बक्सर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती रमा निषाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर झंडोतोलन करेंगी। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और समारोह को भव्य एवं अनुशासित रूप देने के लिए अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार सुबह 8:20 बजे परेड का पंक्तिबद्ध होना शुरू होगा। 8:30 बजे पूर्वाह्न में सार्जेंट मेजर, पुलिस लाइन बक्सर द्वारा परेड का प्रभार लिया जाएगा। इसके पश्चात 8:41 बजे पुलिस अधीक्षक बक्सर तथा 8:43 बजे जिला पदाधिकारी बक्सर का आगमन होगा। 8:45 बजे मुख्य अतिथि श्रीमती रमा निषाद का आगमन होगा, जिसके बाद वे परेड का निरीक्षण करेंगी। ठीक 9:00 बजे पूर्वाह्न में मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन होगा। इसके उपरांत 9:05 बजे मुख्य अतिथि गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगी और जिलेवासियों को शुभकामनाएं देंगी। समारोह की परेड में जिले की विभिन्न इकाइयों की सहभागिता रहेगी। परेड में बक्सर जिला बल (पुरुष) का एक प्लाटून, बक्सर जिला बल (महिला) का एक प्लाटून, बक्सर जिला ट्रेनिंग सिपाही के दो प्लाटून, गृह रक्षा वाहिनी का एक प्लाटून, बिहार अग्निशमन सेवा बक्सर का एक प्लाटून, एनसीसी का एक प्लाटून तथा स्कॉट गाइड हिंदुस्तान का एक प्लाटून शामिल होगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर लोकतंत्र सशक्त करने का संकल्प, खीरी उर्दू विद्यालय बना केंद्र

राजपुर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रखंड अंतर्गत खीरी उर्दू प्राथमिक विद्यालय में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश देने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक धनंजय मिश्र ने की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और नागरिक जिम्मेदारियों के संकल्प का साक्षी बना। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, निर्वाचन कर्मियों एवं प्रखंड कर्मियों ने लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा और निष्पक्ष निर्वाचन की गरिमा बनाए रखने की शपथ ली। शपथ के माध्यम से सभी ने यह संकल्प दोहराया कि वे भारत के नागरिक के रूप में लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएंगे। साथ ही यह भी संकल्प लिया गया कि किसी भी प्रकार के धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा या प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रधानाध्यापक धनंजय मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और इसकी रक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने युवाओं और कर्मचारियों से लोकतांत्रिक मूल्यों को व्यवहार में उतारने की अपील की।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर 200 बक्सर विधानसभा क्षेत्र के लिए उत्कृष्ट निर्वाचन प्रबंधन हेतु राज्य स्तरीय सम्मान

पटना में बक्सर के अनुमंडल पदाधिकारी को मिला सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन कार्यप्रणाली सम्मान

केटी न्यूज/बक्सर

16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी पटना स्थित अधिवेशन भवन, सिंचाई भवन परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बक्सर के अनुमंडल पदाधिकारी को सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन कार्यप्रणाली सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान 200 बक्सर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए प्रदान किया गया। राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में चुना गया।

यह सम्मान बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए दिया गया। कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न जिलों के प्रशासनिक पदाधिकारी तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। समारोह के दौरान लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रशासन की भूमिका की सराहना की गई तथा मतदाता सहभागिता बढ़ाने के लिए किए गए नवाचारों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

बक्सर के अनुमंडल पदाधिकारी ने चुनाव अवधि के दौरान आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया। शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतदान कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया, वहीं मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए गए, जिनमें गांव-गांव जाकर लोगों को मतदान के महत्व की जानकारी दी गई। इसके साथ ही तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर निर्वाचन कार्य को और अधिक पारदर्शी बनाया गया।

इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण रही और किसी प्रकार की बड़ी शिकायत सामने नहीं आई। निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने भी बक्सर में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए इसे अन्य जिलों के लिए अनुकरणीय बताया।

सम्मान मिलने की खबर से जिले में खुशी का माहौल है। प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने इसे बक्सर जिले के लिए गौरव का विषय बताया। अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी चुनावी टीम की मेहनत, आपसी समन्वय और कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि भविष्य में भी निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनाव संपन्न कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया तथा लोकतंत्र को और मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया।

26 जनवरी से भूमि मापी का महाअभियान तीन महीने में निपटेंगे सभी लंबित मामले

ईज ऑफ लिविंग को गति देने की तैयारी, ऑनलाइन आवेदन से लेकर विशेष अमीनों की तैनाती तक नई व्यवस्था लागू

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य सरकार के सात निश्चय-3 (2025-30) कार्यक्रम के तहत आम नागरिकों के जीवन को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। विभागीय निदेशानुसार दिनांक 26 जनवरी से भूमि मापी महाअभियान की शुरूआत की जा रही है। यह अभियान 31 मार्च तक चलेगा, जिसका उद्देश्य जिले में भूमि मापी से जुड़े सभी लंबित मामलों का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन करना है। यह निर्णय बिहार काश्तकारी अधिनियम, 1885 (यथा संशोधित), बिहार काश्तकारी (संशोधन) अधिनियम, 2017, बिहार काश्तकारी नियमावली 1885 के नियम 23(2)(1) तथा 2018 और 2023 के संशोधन नियमों के आलोक में लिया गया है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भूमि से जुड़े विवाद और असमंजस को खत्म कर आम जनता को राहत दी जाए।

ऑनलाइन आवेदन से होगी मापी, विवादित-अविवादित का स्पष्ट चयन

नई व्यवस्था के तहत भूमि मापी के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन करते समय आवेदक को यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि भूमि अविवादित है या विवादित। अविवादित मामलों में, जहां सभी पक्षकारों में सहमति होगी, मापी प्रक्रिया सरल और शीघ्र होगी। वहीं विवादित मामलों में अंचलाधिकारी विवाद की प्रकृति को परिभाषित करेंगे, ताकि मापी की प्रक्रिया स्पष्ट दिशा में आगे बढ़ सके।

तीन महीने का विशेष अभियान, लंबित वाद होंगे शून्य

विभागीय स्तर पर यह निर्णय लिया गया है कि 31 दिसंबर 2025 तक प्राप्त सभी लंबित मापी आवेदनों को निपटाने के लिए 26 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक विशेष महाअभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भूमि मापी से संबंधित कोई भी पुराना मामला लंबित न रहे। प्रशासन का मानना है कि भूमि के सीमांकन और मापी से जुड़े अधिकार आम लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। समय पर मापी नहीं होने से न केवल विवाद बढ़ते हैं, बल्कि विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह व्यापक अभियान शुरू किया जा रहा है।

विशेष सर्वेक्षण अमीनों की होगी तैनाती

मापी महाअभियान को सफल बनाने के लिए विशेष सर्वेक्षण अमीनों की अंचलवार एवं हल्कावार प्रतिनियुक्ति की जाएगी। बन्दोबस्त पदाधिकारी, बक्सर द्वारा प्रत्येक अंचल में आवश्यकता के अनुसार विशेष सर्वेक्षण अमीनों की तैनाती की जाएगी, ताकि मापी कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके लिए बन्दोबस्त पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि 26 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक सभी अंचलों में नियमित रूप से मापी कार्य संपन्न हो।

पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर

नई भूमि मापी व्यवस्था को अधिक नागरिक-अनुकूल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का दावा किया गया है। ऑनलाइन आवेदन, स्पष्ट प्रक्रिया और अतिरिक्त मानव संसाधन के जरिए प्रशासन यह संदेश देना चाहता है कि भूमि से जुड़े मामलों में अब अनावश्यक देरी नहीं होगी।

कुल मिलाकर, भूमि मापी महाअभियान न केवल पुराने विवादों के समाधान की दिशा में एक ठोस पहल है, बल्कि यह प्रशासनिक सुधार और ह्यईज ऑफ लिविंगह्न के लक्ष्य को जमीन पर उतारने की गंभीर कोशिश भी मानी जा रही है।

एक नजर

दागदार हुई खाकी: शराब के नशे में गिरफ्तार हुए बिसैप के हवलदार व प्रशिक्षु महिला सिपाही

डुमरांव। शराबंदी वाले बिहार में जिस खाकी पर शराब पीने वाले तथा तस्करों को पकड़ने की जिम्मेवारी है, वहीं शराब की नशे में धूत हो कानून का उल्लंघन कर रहे है।

ताजा मामला डुमरांव के हरियाणा फार्म स्थित बिहार सैन्य पुलिस के प्रशिक्षण कैंप का है, जहां प्रशिक्षण लेने आई एक महिला प्रशिक्षु सिपाही प्रियंका कुमारी व हवलदार रामाश्रय कुमार को शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई बिसैप के एएसआई मनोज कुमार के आवेदन पर डुमरांव थाने की पुलिस ने की है। घटना शनिवार रात की है। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही एक पुलिस टीम भेज दोनों को हिरासत में ले मेडिकल जांच करवाई गई, जहां दोनों के शराब पीने की पुष्टि हुई।

इसके बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस घटना के बाद खाकी एक बार फिर से दागदार हुई है, वहीं रविवार को शहर में पूरे दिन इसकी चर्चा होते रही कि जब खाकीवाले ही शराब के नशे में उत्पात मचाएंगे तो शराब तस्करी को कौन रोकेगा। वहीं प्रशिक्षु महिला सिपाही के शराब पीने से कई सवाल खड़े हो रहे है।

गौरतलब हो कि इसके पूर्व भी बिसैप परिसर शराब पीने को लेकर सुर्खियों में रहा है। पूर्व में यहां के जवानों व बंझूडेरा के ग्रामीणों के बीच हुए विवाद की वजह भी शराब ही बताई जा रही है। जबकि एक बार एक दारोगा को इस परिसर से शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया था।

शराब की खेप के साथ दो गिरफ्तार, बाइक जब्त

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के मठिला उत्तर पोखरा के समीप से दो तस्करों को शराब की खेप के साथ पकड़ा है। उनके पास से पांच लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुई है। पुलिस ने उनकी बाइक भी जब्त कर ली है।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के हरनीचट्टी गांव निवासी हरेराम पासवान व बालेश्वर पासवान के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शराब तस्कर मठिला के रास्ते शराब की खेप लेकर आने वाले है। इस सूचना पर तत्काल एक टीम गठित कर उन्हें गिरफ्तार करने भेजा गया। टीम ने मठिला उत्तर पोखरा के समीप से एक बाइक पर सवार होकर आ रहे तस्करों को दबोच लिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

नगर परिषद ने उड़ाही व सौंदर्यीकरण के लिए शुरू की निविदा की तैयारी, 2.10 करोड़ से अधिक की लागत

जल जीवन हरियाली योजना से डुमरांव के चार पोखरों को मिलेगी नई पहचान

केटी न्यूज/डुमरांव

जल जीवन हरियाली कार्यक्रम के तहत डुमरांव नगर क्षेत्र की पारंपरिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। नगर परिषद द्वारा नगर के चार प्रमुख पोखरों के जीर्णोद्धार, उड़ाही और सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव तैयार कर निविदा प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। इस योजना का उद्देश्य वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देना, भू-जल स्तर में सुधार लाना और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना है।

नगर परिषद के अनुसार इस परियोजना से न केवल जल स्रोतों की धारण क्षमता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित जल संरचना का लाभ भी मिलेगा। लंबे समय से उपेक्षित पड़े इन पोखरों के पुनरुद्धार से नगर के जल प्रबंधन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

चार प्रमुख पोखरों का होगा कायाकल्प

इस योजना के तहत महरौरा शिवजी रोड स्थित पोखर में उड़ाही के साथ घाट निर्माण एवं पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य प्रस्तावित है। इस पर कुल 41 लाख 70 हजार रुपये की लागत अनुमानित की गई है। वहीं नया भोजपुर स्थित चकबंदी कार्यालय के समीप स्थित पोखर में भी घाट निर्माण और पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य किया जाएगा, जिस पर लगभग 48 लाख रुपये खर्च होंगे। यह पोखर आसपास के क्षेत्र में जल संचयन का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। खिरौली गांव स्थित पोखर के जीर्णोद्धार और घाट निर्माण के लिए 52 लाख 62 हजार रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इसके अलावा अंबेडकर नगर स्थित तियरा पोखर घाट पर सबसे अधिक 67 लाख 85 हजार 400 रुपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। इन सभी स्थानों पर उड़ाही के साथ-साथ घाटों का निर्माण, पेवर ब्लॉक बिछाने और आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की योजना शामिल है।

तकनीकी स्वीकृति के बाद जल्द शुरू होगा काम

नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने बताया कि चारों पोखरों के उड़ाही एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग, भोजपुर-बक्सर के कार्यपालक अभियंता द्वारा बीओक्यू का अनुमोदन और तकनीकी स्वीकृति पहले ही दी जा चुकी है। अब निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है, ताकि शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू हो सके। नगर परिषद का मानना है कि इन पोखरों के जीर्णोद्धार से भू-जल स्तर में सुधार होगा और गर्मी के मौसम में जल संकट की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। जल जीवन हरियाली योजना के तहत यह कदम डुमरांव नगर को जल संरक्षण की दिशा में एक नई पहचान दिलाने वाला साबित हो सकता है।

डुमरिया गांव में पंचायत के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग, बॉडी में 12 गोलियों के मिले निशान

रोहतास में 2 प्रॉपर्टी डीलर्स की गोली मारकर हत्या

रोहतास में रविवार को जमीन विवाद में 2 प्रॉपर्टी डीलर्स की हत्या कर दी गई। पंचायत के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें उचैला गांव के 45 साल के रुपेश सिंह और तिलौथू गांव के विनय प्रजापति की मौत हो गई। मामला सासाराम मुफस्सिल थाने के डुमरिया गांव का है। दो पक्षों के बीच चल रही थी पंचायत,बहस के बाद मारपीट प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस सूत्रों के अनुसार, डुमरिया गांव में जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच पंचायत चल रही थी। इसी दौरान बहस अचानक उग्र हो गई और एक पक्ष ने हथियार निकालकर दूसरे पक्ष के दो लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। घटना स्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि रूपेश सिंह के शरीर में 5 और विनय प्रजापति के शरीर में 7 गोलियों के निशान मिले हैं। मृतकों के परिजनों का आरोप है कि डुमरिया गांव निवासी पप्पू सिंह ने जमीन के मामले को लेकर दोनों प्रॉपर्टी डीलर्स को फोन कर गांव बुलाया था, जहां साजिश के तहत उनकी हत्या कर दी गई। परिजनों ने किसी भी पुराने विवाद से इनकार किया है।घटना की सूचना मिलते ही रोहतास एसपी रौशन कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सासाराम मुफस्सिल थाना समेत आसपास के कई थानों की पुलिस गांव में तैनात कर दी गई है। तनाव को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है, वहीं एफएसएल टीम को साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया है। एसपी रौशन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पप्पू सिंह द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों मृतक जिस वाहन से गांव पहुंचे थे, उसी वाहन से उनके शव बरामद किए गए हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है और मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

बहस हुई और चलने लगी गोली

इस पूरे मामले में यह बात सामने आई है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में पंचायत हो रही थी. इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बहस हुई और फिर बात इतनी ज्यादा बढ़ गई कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के दो लोगों को गोली मार दी. घटना में दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों के एक के शरीर पर पांच तो दूसरे के शरीर पर सात गोलियों के निशान मिले हैं।

प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे दोनों

रुपेश सिंह और विनय प्रजापति प्रॉपर्टी डीलर थे. परिजनों के अनुसार डुमरिया गांव निवासी पप्पू सिंह ने दोनों लोगों को एक जमीन के मामले में फोन करके गांव बुलाया था, जहां उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई. हालांकि परिजनों ने किसी भी पूर्व के विवाद से इनकार किया है. देखने होगा कि जांच के बाद मामला क्या कुछ निकलकर आता है।

एसपी के साथ-साथ कई थानों की पुलिस पहुंची

मामले की गंभीरता को देखते हुए रोहतास एसपी रौशन कुमार खुद घटनास्थल पर पहुंचे. उनके साथ मुफस्सिल थाना के अलावा आसपास के कई थानों की पुलिस भी पहुंची. गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है. एसपी ने बताया कि एफएसएल की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है. पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है.

एक नजर

छठिया पोखरा घाट के किनारे बालू की बिक्री किये जाने से आम लोगों को हो रही परेशानी

डुमरांव। आस्था के रूप में महशहूर छठिया पोखरा के घाट का अतिक्रण किया जा रहा है। इस अतिक्रमण को रोकने को लेकर नप प्रशासन और अनुमंडल प्रशासन की तरफ कोई कवायद शुरू नहीं की गई है। प्रशासनिक पहल नहीं होने के कारण अतिक्रमणकारियों का मनोबल दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। घाट का अब इस्तेमाल व्यवसाय के लिये शुरू कर दिया गया है। सीमेंट, छड़ की बिक्री करने वाले तालाब के किनारे बालू गिराकर घाट का अतिक्रमण करना शुरू कर दिये हैं। इतना ही नहीं उनके द्वारा लोगों के बैठने के लिये बनी छतरी और टहलने वाले रास्ते पर ही बालू गिराकर बिक्री की जा रही है।मालूम हो कि अनुमंडल कार्यालय और अस्पताल जाने वाले रास्ते में ही छठिया पोखरा पड़ता है। ऐसे में प्रतिदिन इसी रास्ते से होकर एसडीओ से लेकर अन्य बड़े अधिकारियों की गाड़ियां गुजरती हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। कार्रवाई नहीं होने से अतिक्रमणकारियों का मनोबल और बढ़ता जा रहा है। बालू पूरे रास्ते में बिखरा रहता है, जिससे छोटे-बड़े वाहनों के गुजरने में भी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में पानी का बहाव अवरूद्ध हो जाता है, जिससे जलजमाव की समस्या खड़ी हो जाती है। इतना ही नहीं कीचड़ हो जाने से वाहन उसमें फंस भी जाते हैं। सबसे परेशानी तो सुबह-शाम घुमने के लिये निकले महिला-पुरूष को रास्ता बदलना पड़ता है। तालाब में स्नान ध्यान करने वाली महिलाओं को ज्यादा परेशानी होती है, बावजूद इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मधेपुरा में गैस रिसाव से बड़ा हादसा एक ही परिवार के तीन सदस्य झुलसे

मधेपुरा । बिहार के मधेपुरा जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां रसोई गैस सिलेंडर से रिसाव होने से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में एक ही परिवार के 3 सदस्य बुरी तरह झुलस गये। घटना मुरलीगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या 14 की है जहां रविवार की देर शाम गैस रिसाव से बड़ा हादसा हो गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। बताया जाता है कि घटना उस समय हुई जब परिवार के सभी सदस्य एक कमरे में मौजूद थे। मिथुन कुमार ने अपनी पत्नी मंजू कुमारी से चाय बनाने को कहा। जैसे ही मंजू कुमारी ने गैस चूल्हे पर माचिस जलाई, पहले से रेगुलेटर से रिस रही गैस ने आग पकड़ ली। आशंका जताई जा रही है कि किसी बच्चे द्वारा पहले ही गैस रेगुलेटर ऑन कर दिया गया था। इस हादसे में वार्ड 14 निवासी मिथुन कुमार, उनकी पत्नी मंजू कुमारी और मिथुन की भाभी आरती देवी झुलस गईं। घटना की जानकारी मिथुन की मां बिंदुल देवी ने दी। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरलीगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर के अनुसार तीनों की स्थिति खतरे से बाहर है, लेकिन बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।

चौसा में 317वें रविवार भी जारी रहा गंगा स्वच्छता अभियान युवाओं ने श्रमदान से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

केटी न्यूज/चौसा

पौराणिक एवं ऐतिहासिक धरती चौसा में गंगा स्वच्छता को लेकर जागरूकता की अलख लगातार जल रही है। गंगा युवा समिति चौसा, बक्सर के तत्वावधान में प्रत्येक रविवार को चल रहा गंगा सफाई महाअभियान 317वें सप्ताह में भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रहा। रविवार को चौसा बाजार घाट पर आयोजित इस अभियान में युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने सामूहिक श्रमदान कर घाट परिसर की साफ-सफाई की। अभियान का नेतृत्व समिति के संयोजक भरत पांडेय ने किया। इस दौरान घाट पर फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य अपशिष्ट कचरे को हटाया गया। संयोजक ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और जीवनरेखा है। ऐसे में इसे स्वच्छ और निर्मल रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। मां गंगा की उत्तरायणी धारा के तट पर निरंतर चल रहे इस महाअभियान के माध्यम से समिति लोगों को यह संदेश दे रही है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। समिति की ओर से आमजन से अपील की गई कि वे अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर ह्लएक रविवार, एक अंजुरी कचराह्व का संकल्प लें और अपने आसपास के घाटों व सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। आज के श्रमदान कार्यक्रम में मंगलदेव पासवान, राधेश्याम चौधरी, श्रीराम चौधरी, लालजी चौधरी, रविश जयसवाल, सुरेश, बबन सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने सामूहिक रूप से मां गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण का संकल्प दोहराया और अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

छोटे गांव से बड़ी पहचान तक : डुमरांव के अजय राय बने जिले की उम्मीद, गणतंत्र दिवस पर मिलेगा राहवीर सम्मान

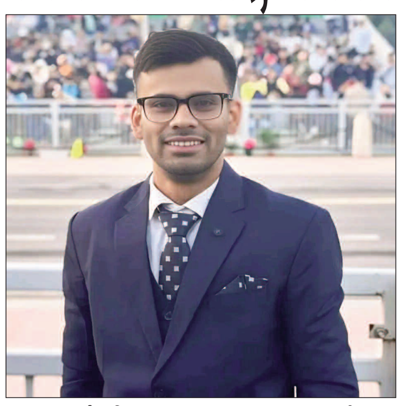

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के अरैला जैसे छोटे गांव से निकल कर अगर कोई नाम आज जिले भर में चर्चा का विषय बना है, तो वह हैं अजय राय। सीमित संसाधन, ग्रामीण चुनौतियां और उम्र की सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए अजय ने समाजसेवा के क्षेत्र में जो मिसाल पेश की है, उसी का नतीजा है कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन उन्हें गुड समेरीटन ह्लराहवीरह्व अवार्ड से सम्मानित करने जा रहा है।जिला प्रशासन द्वारा जारी पत्र में अजय राय के सामाजिक योगदान को रेखांकित करते हुए उनके चयन की पुष्टि की गई है। यह खबर सामने आते ही पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। अजय को यह सम्मान विशेष रूप से उनके जल संरक्षण अभियान और सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने के प्रयासों के लिए दिया जा रहा है।गौर करने वाली बात यह है कि यह अजय के लिए पहला सम्मान नहीं है। पिछले वर्ष 26 जनवरी को भी भारत सरकार द्वारा उन्हें ह्यजल योद्धा अवार्डह्न से सम्मानित किया गया था। कम उम्र में लगातार राष्ट्रीय और जिला स्तर पर पहचान बनाना उन्हें अन्य युवाओं से अलग करता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस उम्र में युवा खेल-कूद और मनोरंजन में व्यस्त रहते हैं, उसी उम्र में अजय समाजहित के कार्यों में जुटकर युवाओं के लिए आदर्श बन चुके हैं। वे न केवल संवेदनशील हैं, बल्कि साहसी भी हैं—कठिन परिस्थितियों में पीछे हटने के बजाय डटकर सामना करते हैं। हाल के दिनों में अजय का नाम सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रकाशनों में छपने के साथ-साथ गूगल पर भी दर्ज हो चुका है, जो उनकी बढ़ती पहचान का संकेत है। अपनी सफलता का श्रेय अजय ने अपने परिवार, गुरुजनों और मित्रों को दिया है। साथ ही नगर के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे और जिला प्रशासन की पूरी टीम के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है। अरैला से शुरू हुई यह यात्रा आज जिले की प्रेरणा बन चुकी है।

बिहार की पांच महिला मुखिया भी करेंगी नेतृत्व

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में दिखेंगे बिहार के 11 पंचायत जनप्रतिनिधि

एजेंसी। पटना

राज्य के कुल 11 ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। विभाग द्वारा इनका चयन राज्य में स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्य (एलएसडीजी) पर बेहतर प्रदर्शन करने के आधार पर किया गया है। राष्ट्रीय परेड में शामिल होने के लिए पंचायत जनप्रतिनिधि, इनके पति/पत्नी व विभाग से एक नोडल और दो सह नोडल पदाधिकारी सहित कुल 25 लोगों की टीम नई दिल्ली पहुंच गई है। विशिष्ट अतिथि के रूप में 5 महिला ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। जो दशार्ता है कि महिला

जनप्रतिनिधियों के कुशल नेतृत्व में राज्य की ग्राम पंचायतें विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रदत्त सतत विकास लक्ष्य झ2030 को प्राप्त करने के लिए राज्य की पंचायतें पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित 9 स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) में से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार लक्ष्य का चयन कर योजना निर्माण कर रही हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगतिशील सोच के कारण आज राज्य की 50 फीसदी से अधिक ग्राम पंचायतों का नेतृत्व महिला जनप्रतिनिधियों के हाथ में है और उनके नेतृत्व क्षमता को केंद्र सरकार द्वारा भी सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तीकरण का यह उत्कृष्ट उदाहरण है। पंचायती राज विभाग, बिहार पंचायत जनप्रतिनिधियों के क्षमता संवर्धन एवं बदलते तकनीकी परिवेश में इन्हें नई चुनौतियों के प्रति तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। चयनित 11ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधियों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। विशेष रूप से पांच महिला जनप्रतिनिधियों ने इस सूची में अपना स्थान बनाया ये पूरे बिहार के लिए गौरव की बात है। मैं आशा करता हूं कि राज्य के पंचायत जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय स्तर के साथ वैश्विक स्तर पर भी पहचान मिले। राष्ट्रीय परेड में शामिल होने वाली टीम को पंचायती राज मंत्रालय की ओर से आज प्रधानमंत्री संग्रहालय का भ्रमण कराया जाएगा। यह टीम गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम, जिसमें मंत्रालय द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से विकसित 'पंचम' चैटबोट का शुभारंभ किया जाएगा, में भी हिस्सा लेंगी।

चयनित 11 ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधियों की सूची

1. अर्चना आनंद, जिला सहरसा
2. नूतन भारती, जिला सहरसा
3. राजेश कुमार मिश्रा, जिला मधुबनी
4. राजेश सिंह, जिला अरवल
5. पद्मराज भारद्वाज, जिला सीतामढ़ी
6. मेराज अहमद, जिला जहानाबाद
7. तान्या परवीन, जिला पूर्वी चंपारण
8. संध्या कुमारी, जिला नालंदा
9. पंकज कुमार शर्मा, जिला वैशाली
10. जूली देवी, जिला लखीसराय
11. प्रदीप कुमार सिंह, जिला कैमूर

वैशाली पुलिस के लिए दो साल का लक्ष्य, गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने सुधार का दिया निर्देश

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के दौरान वैशाली जिले के जंदाहा प्रखंड में शनिवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल हुए। बैठक में वैशाली के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जहां प्रशासनिक और विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई।समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में वैशाली एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि जिले में हाल की आपराधिक घटनाओं की समीक्षा की गई है। सरकार की स्पष्ट प्राथमिकता है कि विधि-व्यवस्था के मामले में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिले की भौगोलिक स्थिति, विशेषकर दियारा क्षेत्र में तस्करी और पूर्व की आपराधिक घटनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई और पुलिस को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी बोले- अपराधी न जाति का होता है, न धर्म का, किसी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

मुंगेर जिले के तारापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रामपुर पंचायत स्थित खैरा मैदान में रविवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे। दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन उन्होंने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना, जिसके बाद आयोजित जनसभा को संबोधित किया।जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपराध और कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की नीति को साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि अपराधी न किसी जाति का होता है और न ही किसी धर्म का। किसी भी जाति और धर्म के लोग अपराध कर सकते हैं। ऐसे अपराधी समाज का कचरा हैं, जिन्हें साफ करना जरूरी है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध से निपटने का रास्ता पुलिस बेहतर जानती है और यह पूरी तरह पुलिस का दायित्व है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार कभी भी पुलिस के कार्य में हस्तक्षेप नहीं करती और पुलिस पूरी स्वतंत्रता के साथ जांच और कार्रवाई कर रही है।

डायल 112 और पुलिस कार्यप्रणाली की सराहना

समीक्षा के दौरान वैशाली जिले में डायल 112 सेवा के रिस्पांस टाइम की भी समीक्षा की गई। वर्ष 2025 में इसका रिस्पांस टाइम अंडर 10 मिनट रहने पर अधिकारियों ने इसकी सराहना की। बताया गया कि इस आधार पर वैशाली जिला पूरे बिहार में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल रहा है।

पुलिस बल को मिलेगा अतिरिक्त सहयोग

बैठक में बताया गया कि वैशाली जिले को हाल ही में 84 नए सब इंस्पेक्टर मिले हैं, जिन्होंने प्रशिक्षण पूरा कर जिले में योगदान दिया है। इसके अलावा जून महीने में 650 से अधिक कांस्टेबल मिलने की उम्मीद है, जो वर्तमान में बिहार के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

जाम की समस्या और आम जनता की सुविधा

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बैठक में जाम की समस्या को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिससे आम लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो और पुलिस इस दिशा में ठोस कदम उठाए।

फोरेंसिक और तकनीकी सुविधाओं पर जोर

पूरे बिहार में एक-एक फोरेंसिक चालान वाहन उपलब्ध कराए जाने की जानकारी भी दी गई। इन वाहनों में पर्याप्त मैनपॉवर और वैज्ञानिक नियुक्त हैं, जो समय पर घटनास्थल पर पहुंचकर जांच करते हैं। समीक्षा के दौरान जहां कमियां पाई गईं, वहां आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

एक नजर

शिक्षा का मंदिर शर्मसार: महिला शिक्षिकाओं को अश्लील मैसेज भेजने पर 2 शिक्षक सस्पेंड

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में शिक्षा के मंदिर को शर्मसार करने वाले दो शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। महिला शिक्षकों को व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज भेजने और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में जांच के बाद दोनों शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। डीईओ अरविंद कुमार सिन्हा के निर्देश पर डीपीओ स्थापना इन्द्र कुमार कर्ण ने यह कार्रवाई की है और विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। कुढ़नी और मड़वन के दो स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के खिलाफ महिला शिक्षकों ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने मामले की जांच कराई और दोनों शिक्षकों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया। डीईओ ने बताया कि स्पष्टीकरण स्वीकार्य नहीं था। जांच में यह तथ्य सामने आया कि दोनों शिक्षक महिला शिक्षिकाओं से व्हाट्सएप पर अश्लील चैटिंग करते थे। पहला मामला सकरा का है, जहां की एक महिला शिक्षिका ने कुढ़नी के विद्यालय अध्यापक दीपक कुमार के खिलाफ शिकायत की थी। दीपक कुमार पहले सकरा में ही कार्यरत थे। माध्यमिक डीपीओ से जांच कराई गई, जिसमें अश्लील चैटिंग का मामला सही पाया गया। इसके बाद दीपक कुमार को निलंबित कर दिया गया। वह उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में तैनात थे। दूसरा मामला मड़वन का है। यहां के प्राथमिक विद्यालय के पंचायत शिक्षक संतोष कुमार दास पर एक महिला शिक्षक ने आरोप लगाया कि उन्हें अश्लील मैसेज भेजे जा रहे हैं।

पटना अटल पथ पर एंबुलेंस में लगी आग, मरीज को खींचकर बाहर निकाला गया, ड्राइवर हुआ फरार

पटना। पटना के अटल पथ पर शनिवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब आइजीआईएमएस से पीएमसीएच जा रही एक एंबुलेंस में अचानक आग लग गई। एंबुलेंस में एक बुजुर्ग रोगी ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे और उनके साथ चार स्वजन सवार थे। गनीमत रही कि समय रहते राहगीरों की सूझबूझ और यातायात पुलिस की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि इस घटना में एंबुलेंस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, वहीं चालक के फरार हो जाने से कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, औरंगाबाद जिले के निवासी राजदेव पासवान खगौल में किराये के मकान में रहते हैं। कुछ दिन पहले उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें कंकड़बाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें आइजीआईएमएस रेफर कर दिया। लेकिन आइजीआईएमएस में बेड उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें पीएमसीएच भेजने का निर्णय लिया गया।

बिहार के बड़े उद्योगपति अजय कुमार सिंह पर जानलेवा हमला, 50 से अधिक लोगों ने की गाड़ी में तोड़फोड़

पटना। बिहार के बड़े बिजनेसमैन और भारत प्लस ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अजय कुमार सिंह पर जानलेवा हमला किये जाने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार बिहटा थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम यह गंभीर और सनसनीखेज घटना सामने आई है। भारत प्लस ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अजय कुमार सिंह पर अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। बताया जाता है कि 25 जनवरी 2026 को शाम करीब 6:20 बजे अजय कुमार सिंह पटना से बिहटा अपने फ्लावर मिल के कार्य को देखने जा रहे थे। रास्ते में जाम लगने के कारण वे वाहन मोड़कर पटना लौट रहे थे। इसी दौरान विसंभरपुर वृद्धा आश्रम के पास अचानक 50 से अधिक अज्ञात लोगों ने, जो लाठी-डंडों से लैस थे, उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया और हमला कर दिया। हमलावरों ने अजय सिंह की गाड़ी BR-01-HL-0006 पर जमकर तोड़फोड़ की।